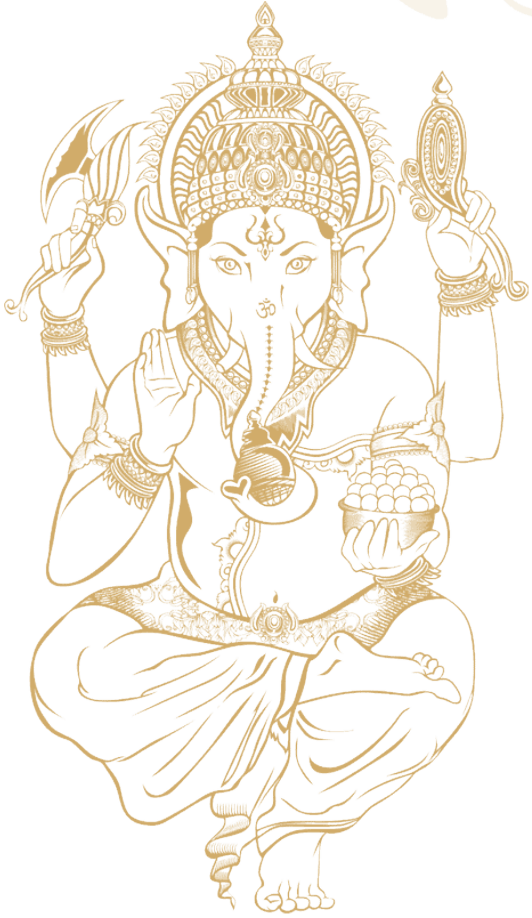

Diviya

13 Jan 1998

10:15 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121688704

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **13/01/1998**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **22:15:00 घंटे**
इष्ट	: 37:22:26 घटी
स्थान	: **Panipat**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:24:00 उत्तर
रेखांश	: 76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 21:52:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:08:35 घंटे
साम्पातिक काल	: 05:24:43 घंटे
सूर्योदय	: 07:18:01 घंटे
सूर्यास्त	: 17:43:43 घंटे
दिनमान	: 10:25:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 29:28:06 धनु
लग्न के अंश	: 28:26:47 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	: **कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	: **पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: विष्कुम्भ
करण	: कौलव
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मेष
युंजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: हो-होमवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	28:26:47	315:46:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			धनु	29:28:06	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	10:56:39	12:40:46	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल			मक	26:56:41	00:47:20	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			धनु	07:27:10	01:16:23	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	01:09:22	00:13:20	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र	व	अ	मक	03:59:22	00:36:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	20:25:45	00:03:01	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	17:34:27	00:06:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	17:34:27	00:06:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	13:59:48	00:03:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:35:14	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:20:36	00:01:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	28:03:58	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:43

लग्न-चलित

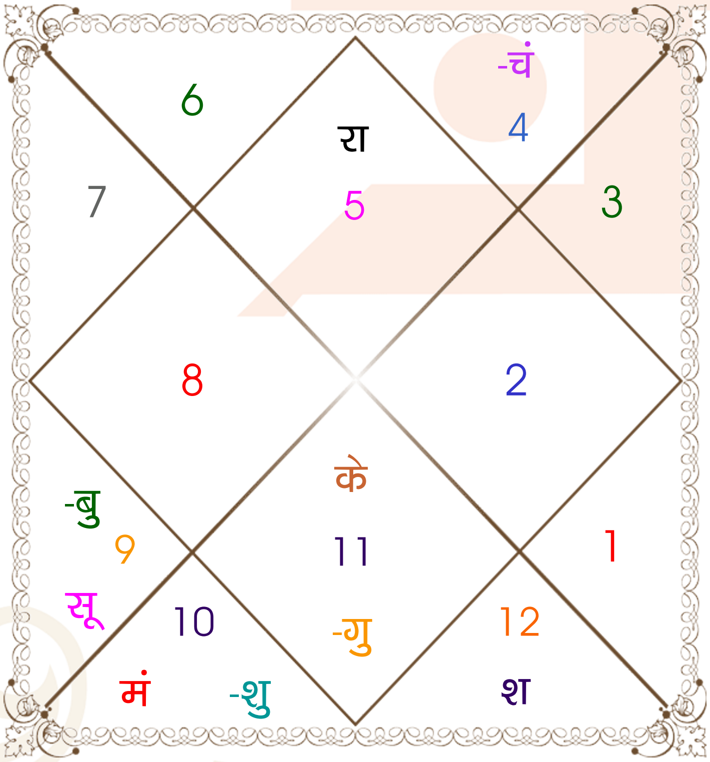

चन्द्र कुंडली

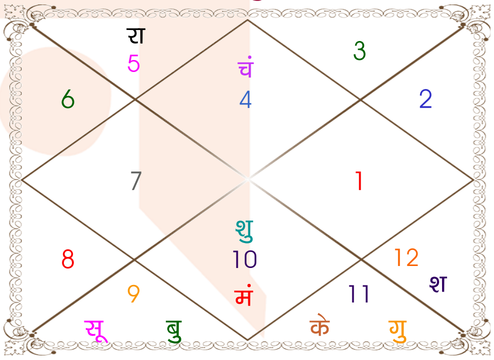

नवमांश कुंडली

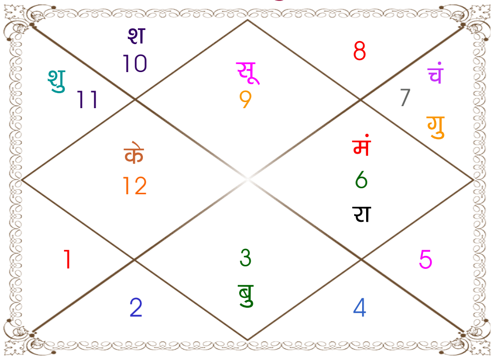

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 1 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
13/01/1998	**11/03/2006**	**11/03/2023**	**11/03/2030**	**11/03/2050**
11/03/2006	**11/03/2023**	**11/03/2030**	**11/03/2050**	**10/03/2056**
00/00/0000	बुध 06/08/2008	केतु 07/08/2023	शुक्र 10/07/2033	सूर्य 28/06/2050
00/00/0000	केतु 04/08/2009	शुक्र 06/10/2024	सूर्य 11/07/2034	चंद्र 28/12/2050
00/00/0000	शुक्र 04/06/2012	सूर्य 11/02/2025	चंद्र 10/03/2036	मंगल 05/05/2051
13/01/1998	सूर्य 10/04/2013	चंद्र 12/09/2025	मंगल 10/05/2037	राहु 29/03/2052
सूर्य 11/02/1998	चंद्र 09/09/2014	मंगल 08/02/2026	राहु 10/05/2040	गुरु 15/01/2053
चंद्र 13/09/1999	मंगल 07/09/2015	राहु 27/02/2027	गुरु 09/01/2043	शनि 28/12/2053
मंगल 22/10/2000	राहु 26/03/2018	गुरु 03/02/2028	शनि 11/03/2046	बुध 03/11/2054
राहु 29/08/2003	गुरु 01/07/2020	शनि 14/03/2029	बुध 09/01/2049	केतु 11/03/2055
गुरु 11/03/2006	शनि 11/03/2023	बुध 11/03/2030	केतु 11/03/2050	शुक्र 10/03/2056

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
10/03/2056	**11/03/2066**	**11/03/2073**	**11/03/2091**	**12/03/2107**
11/03/2066	**11/03/2073**	**11/03/2091**	**12/03/2107**	**00/00/0000**
चंद्र 09/01/2057	मंगल 07/08/2066	राहु 22/11/2075	गुरु 28/04/2093	शनि 15/03/2110
मंगल 10/08/2057	राहु 26/08/2067	गुरु 16/04/2078	शनि 10/11/2095	बुध 22/11/2112
राहु 09/02/2059	गुरु 31/07/2068	शनि 20/02/2081	बुध 14/02/2098	केतु 01/01/2114
गुरु 10/06/2060	शनि 09/09/2069	बुध 10/09/2083	केतु 21/01/2099	शुक्र 02/03/2117
शनि 09/01/2062	बुध 06/09/2070	केतु 27/09/2084	शुक्र 22/09/2101	सूर्य 14/01/2118
बुध 10/06/2063	केतु 03/02/2071	शुक्र 28/09/2087	सूर्य 12/07/2102	00/00/0000
केतु 09/01/2064	शुक्र 04/04/2072	सूर्य 22/08/2088	चंद्र 11/11/2103	00/00/0000
शुक्र 09/09/2065	सूर्य 10/08/2072	चंद्र 21/02/2090	मंगल 16/10/2104	00/00/0000
सूर्य 11/03/2066	चंद्र 11/03/2073	मंगल 11/03/2091	राहु 12/03/2107	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 2 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।